Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 28 अप्रैल, 2023

पुष्करालु महोत्सव

वाराणसी में 12 दविसीय पुष्करालु महोत्सव मनाया जा रहा है। पुष्करालु पर्व को गंगा पुष्करम के नाम से भी जाना जाता है। त्योहार को **पुष्करालु** (तेलुगू भाषा में), पुष्करा या पुष्कर के नाम से जाना जाता है। यह एक ऐसा पर्व है जो **प्रत्येक 12 वर्ष में** ग्रहों के गोचर के वशिष संयोग के कारण आता है। ज्योतषि शास्त्र के अनुसार, **प्रत्येक नदी एक राशि से जुड़ी होती है** और त्योहार की शुरुआत तब होती है **जब बृहस्पति एक राशि से दूसरी राशि में जाते हैं। पुष्करालु को सबसे पवित्र अवधियों में से एक माना जाता है** जब भक्त **डुबकी लगाने के लिये वभिन्नि पवित्र नदियों में जाते हैं। भारत में बहने वाली बारह सबसे महत्त्वपूर्ण नदियाँ** गंगा, नर्मदा, सरस्वती, यमुना, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, भीमा, पुष्कर, तुंगभद्रा, सिंधी और प्राणहिता हैं।

मासिक आर्थिक समीक्षा

वित्त मंत्रालय द्वारा जारी मासिक आर्थिक समीक्षा में **भारतीय अर्थव्यवस्था के जोखिमों की समीक्षा** करते समय यह सिफारिश की गई थी कि **भू-राजनीतिक विकास, वैश्विक वित्तीय स्थिरता** और **अल नीनो** के कारण **सूखे** की स्थिति जैसे संभावित जोखिमों के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है, जो कृषि उत्पादन को कम करते हैं तथा कीमतों को बढ़ाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार,**उच्च मुद्रास्फीति एवं वित्तीय तंगी (Financial Tightening) 2025 तक आर्थिक विकास पर भार** डालेगी। IMF के अनुसार, वैश्विक विकास 2022 के 3.4% से घटकर वर्ष 2023 में 2.8% हो जाएगा। हालाँकि **भारत की मुद्रास्फीति प्रक्षेपवक्र अस्थिर अंतर्राष्ट्रीय** कच्चे तेल बाज़ार से प्रभावित हो सकती है। **कच्चे तेल के बाज़ार में उतार-चढ़ाव बना हुआ है,** क्योंकि **ओपेक+ देशों** ने मई 2023 से उत्पादन में कटौती करने का फैसला किया है। इससे **कच्चे तेल की कीमतों में पहले ही उछाल आ चुका है।** इसके अलावा **दूध और गेहूँ की सीमित आपूर्ति से भी मुद्रास्फीति की गति पर असर पड़ने** की उम्मीद है। **गाँठदार त्वचा रोग (LSD)** से दूध उत्पादन प्रभावित हुआ है।

और पढ़ें... 2023 में भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावना

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-28-april-2023